दैनिक भास्कर
जयपुर 21-05-2026

TECHNO NEWS विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने हर जिले में खोले 20 क्लब

1100 स्कूलों में साइंस क्लब शुरू, स्टूडेंट्स को एआई से रॉकेट्री तक की ट्रेनिंग मिलेगी

उदिषा पारीक • जयपुर

अब स्कूलों में पढ़ाई सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहेगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने प्रदेशभर के स्टूडेंट्स में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए साइंस क्लब शुरू किए हैं। जयपुर सहित पूरे प्रदेश में अब तक 1100 से ज्यादा साइंस क्लब शुरू हो चुके हैं। इन क्लबों का मकसद बच्चों को विज्ञान को आसान, मजेदार और रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़कर समझाना है। विभाग की योजना आने वाले समय में प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में साइंस क्लब शुरू करने की है। पहले चरण में हर जिले के 20 सरकारी स्कूलों में क्लब शुरू किए गए हैं। इसमें राजकीय स्कूल, विवेकानंद मॉडल स्कूल और पीएम श्री स्कूलों को प्राथमिकता दी गई है।

इन क्लबों में स्टूडेंट्स को वैज्ञानिकों और विज्ञान विशेषज्ञों से सीखने का मौका मिलेगा। बच्चे विज्ञान मॉडल, प्रोजेक्ट और इनोवेशन पेश कर सकेंगे। विभाग के अनुसार क्लबों की नियमित मॉनिटरिंग भी होगी। स्कूल स्तर पर हर महीने या दो महीने में समीक्षा की जाएगी और साल के अंत में वार्षिक उत्सव होगा। इसमें विज्ञान प्रदर्शनी लगाई जाएगी और बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स को सम्मानित किया जाएगा।

6वीं से 12वीं तक के स्टूडेंट्स और टीचर बन सकेंगे साइंस क्लब के सदस्य

कक्षा 6 से 12वीं तक के स्टूडेंट्स और टीचर क्लब के सदस्य बन सकेंगे। क्लब की कार्यकारिणी में प्राचार्य संरक्षक होंगे, जबकि विज्ञान शिक्षक अध्यक्ष और सचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे। विद्यार्थियों को भी उपाध्यक्ष, उपसचिव और सक्रिय सदस्य की भूमिका दी जाएगी। क्लबों में पूरे साल विज्ञान प्रश्नोत्तरी, मॉडल प्रतियोगिता, पोस्टर और चित्रकला प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी, निबंध लेखन और विज्ञान भाषण जैसी गतिविधियां करवाई जाएंगी। इसके अलावा मौसम अध्ययन, प्रदूषण अध्ययन, पेयजल जागरूकता, विज्ञान आधारित नाटक और नुक्कड़ नाटक जैसी सामुदायिक गतिविधियों से भी स्टूडेंट्स को जोड़ा जाएगा। बच्चों को साइंस इंस्टीट्यूट और म्यूजियम विजिट भी करवाई जाएगी।

AI, साइबर सिक्योरिटी, एयरो मॉडलिंग सीखेंगे

क्लबों में आधुनिक तकनीक पर भी फोकस रहेगा। स्टूडेंट्स को एआई अवेयरनेस, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, वेब डिजाइनिंग, साइबर क्राइम और मोबाइल रिपेयरिंग जैसी स्किल्स सिखाई जाएंगी। इसके साथ ही दूरबीन बनाना, एयरो मॉडलिंग, मॉडल रॉकेट्री और इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़ी वर्कशॉप भी होंगी। क्लबों के जरिए समाज में वैज्ञानिक सोच बढ़ाने और अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। वॉक, रैली, साइंस न्यूज और हॉबी वर्कशॉप जैसी गतिविधियां भी आयोजित होंगी।

साइंस एग्जीबिशन से AI स्किल्स जैसी कई एक्टिविटीज होंगी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने 1 माह में प्रदेशभर के स्कूलों में 1100 साइंस क्लब शुरू किए हैं। इनका उद्देश्य स्टूडेंट्स में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना, विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना और उन्हें नवाचार व तकनीक से जोड़ना है। इसके माध्यम से साइंस एग्जीबिशन, मॉडल प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, विज्ञान आधारित गतिविधियों और प्रोजेक्ट कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। AI अवेयरनेस, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, वेब डिजाइनिंग और साइबर सुरक्षा जैसी आधुनिक तकनीकी स्किल्स भी सिखाएंगे। अच्छा प्रदर्शन करने वाले क्लबों को पंचायत समिति, जिला और संभाग स्तर पर पुरस्कार दिए जाएंगे।

-डॉ. आरुषि मलिक, शासन सचिव,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग